आमंत्रण

17वाँ राष्ट्रीय जीवन विद्या सम्मेलन

16 नवंबर से 19 नवंबर 2012

णे

मानवीय शिक्षा शोध संस्थान (अभ्युदय)
अहिवारा रोड़, अछोटी
जिला दुर्ग – छ. ग.

www.madhyasth-darshan.info - Information Portal

आमंत्रण

सम्माननीय भाई / बहन जी,

सर्वशुभ एवं सर्वतोमुखी समाधान की अपेक्षा में उत्सवपूर्वक मिलन का अवसर है "राष्ट्रीय जीवन विद्या सम्मेलन"। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से 25 कि.मी. की दूरी पर स्थित मानवीय शिक्षा शोध संस्थान (अभ्युदय) अछोटी में सत्रहवाँ राष्ट्रीय जीवन विद्या सम्मेलन दिनांक 16 से 19 नवम्बर 2012 को आयोजित किया जाना निश्चित हुआ है।

मानव जाति की जागृति के मार्गदर्शक "मध्यस्थ दर्शन" के प्रणेता श्रद्धेय ए. नागराज जी की गौरवपूर्ण उपस्थिति में मानव लक्ष्य अर्थात् समाधान, समृद्धि, अभय, सहअस्तित्व की दिशा में हमारी उपलब्धियों की चर्चा होगी। हम सब परस्परता में उत्सवित हो सकें इस शुभकामना के साथ आप सादर आमंत्रित हैं।

समस्त सदस्य
मानवीय शिक्षा शोध संस्थान (अभ्युदय)
अछोटी, जिला दुर्ग, छत्तीसगढ़

आग्रह

1. **कार्यक्रम** की रूपरेखा संलग्न है। अधिक जानकारी हेतू संपर्क करे भाटिया जी 8349714686, संकेत भाई 9406049596।
2. मंच चर्चा या गोष्ठी में आप अपने विचार व्यक्त करने सादर आमंत्रित हैं। इस हेतु अपने विचार www.jvidya.com में उल्लेखित प्रारूप के अनुसार आयोजन समिति को sanket_thakur@hotmail.com में 25 अक्टूबर 2012 तक अवश्य मेल / प्रेषित कर देवें।
3. नवम्बर में अछोटी में रात में हल्की ठंडक हो जाती है, तदनुसार कपड़े अवश्य ले आयें। आवास व्यवस्था हेतू मंजीत भाई 9301359227, राजेश भाई 09302137053
4. अपने आने–जाने की पूर्व सूचना हमें अवश्य कर देवें। एक दिन पूर्व सूचना के आधार पर रेल्वे स्टेशन रायपुर या एयरपोर्ट रायपुर से सम्मेलन स्थल तक आपको पहुँचाने की व्यवस्था रहेगी। वाहन सुविधा हेतू संपर्क जे पी मिश्रा जी 0999333302 एवं अनिल भाई राठौर जी 9300484677 से संपर्क करें।
5. रजिस्ट्रेशन / पंजीयन हेतू संपर्क करें सुयश ठाकुर जी 09302693429

www.madhyasth-darshan.info - Information Portal

कार्यक्रम

प्रथम दिवस –शुक्रवार, 16 नवंबर 2012, स्थान अछोटी

09:30 से 10:15	पंजीयन
10:15 से 10:30	स्वागत
10:30 से. 12:00	सम्मेलन की रूपरेखा, अभियान की भूमिका
12:00 से 01:30	श्रद्धेय श्री ए. नागराज जी का उद्बोधन : अध्ययन वस्तु, अध्ययन प्रक्रिया एवं चर्चा
01:30 से 03:00	भोजन एवं विश्राम
03:00 से 05:00	मंच चर्चा : समाधान के लिए अध्ययन वस्तु, अध्ययन प्रक्रिया
05:00 से 06:00	जलपान
06:00 से 08:00	गोष्ठियाँ

द्वितीय दिवस – शनिवार, 17 नवंबर 2012

09:30 से01:30	समाधान आयाम में प्रयास प्रस्तुतियाँ मानवीय शिक्षा – संस्कार संस्थान, कानपुर, IASE राजस्थान; मानव चेतना विकास केन्द्र, इंदौर, जीवन विद्या प्रतिष्ठान, बिजनौर; मानव मंदिर, कानपुर; PTU जालंधर, IIIT हैदराबाद, पुणे, महाराष्ट्र; जीवन विद्या अध्ययन केन्द्र, मुरादाबाद, सिद्ध मसूरी, दिल्ली टीम, गुजरात, बंगलोर, कर्नाटक एवं अन्य
01:30 से 03:00	भोजन एवं विश्राम
03:00 से 05:00	मंच चर्चा : उत्पादन, स्वावलंबन, समृद्धि
05:00 से 06:00	जलपान
06:00 से 08:00	गोष्ठियाँ

www.madhyasth-darshan.info - Information Portal

कार्यक्रम

तृतीय दिवस : रविवार, 18 नवंबर 2012, स्थान–अछोटी, दोपहर भोजन पश्चात् बेमेतरा

09:30से01:30	मानवीय शिक्षा शोध संस्थान की प्रस्तुति : अभ्युदय की यात्रा, परिचय शिविर, वांड्मय, समृद्धि, एक वर्षीय अध्ययन शिविर, छ.ग. राज्य शिक्षा, शिक्षा–संस्कार प्रस्तुति – अभिभावक विद्यालय।
01:30 से 02:30	बेमेतरा के लिए प्रस्थान
03:30 से 06:30	बेमेतरा में "समाधान महाविद्यालय" उदघाटन
06:30	भोजन एवं गोष्ठियाँ
08:00	अछोटी के लिए प्रस्थान

चतुर्थ दिवस : सोमवार, 19 नवंबर 2012, स्थान–अछोटी

09:30 से 10:30	मंच चर्चा – अध्ययनशील व्यक्ति : स्वयं की गति, समाज में
10:30 से 11:30	सम्मेलन में आये प्रतिनिधियों के सुझाव (Feedback)
11:30 से 12:15	सम्मेलन सारांश
12:15 से 01:30	अभियान एवं आगे की दिशा
01:30	भोजन एवं विश्राम

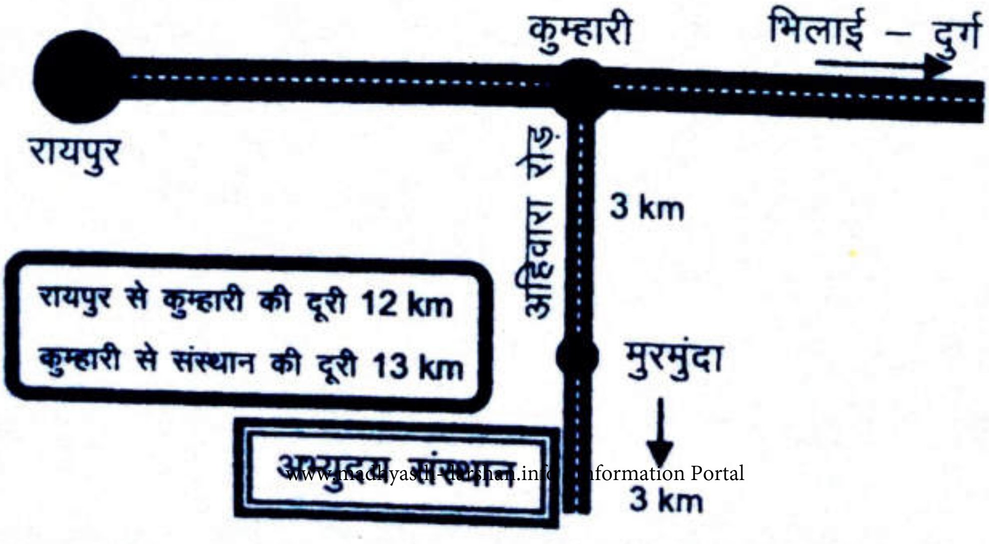

www.madhyasth-darshan.info Information Portal

आमंत्रण

17वाँ राष्ट्रीय जीवन विद्या सम्मेलन

16 नवंबर से 19 नवंबर 2012

प्रति,

____

____

____

____

मानवीय शिक्षा शोध संस्थान (अभ्युदय)
अहिवारा रोड़, अछोटी
जिला दुर्ग - छ.ग.

www.madhyasth-darshan.info - Information Portal

आमंत्रण

सम्माननीय भाई / बहन जी,

सर्वशुभ एवं सर्वतोमुखी समाधान की अपेक्षा में उत्सवपूर्वक मिलन का अवसर है "राष्ट्रीय जीवन विद्या सम्मेलन"। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से 25 कि.मी. की दूरी पर स्थित मानवीय शिक्षा शोध संस्थान (अभ्युदय) अछोटी में सत्रहवाँ राष्ट्रीय जीवन विद्या सम्मेलन दिनांक 16 से 19 नवम्बर 2012 को आयोजित किया जाना निश्चित हुआ है।

मानव जाति की जागृति के मार्गदर्शक "मध्यस्थ दर्शन" के प्रणेता श्रद्धेय ए. नागराज की गौरवपूर्ण उपस्थिति में मानव लक्ष्य अर्थात् समाधान, समृद्धि, अभय, सहअस्तित्व की दिशा में हमारी उपलब्धियों की चर्चा होगी। हम सब परस्परता में उत्सवित हो सकें इस शुभकामना के साथ आप सादर आमंत्रित हैं।

समस्त सदस्य
मानवीय शिक्षा शोध संस्थान (अभ्युदय)
अछोटी, जिला दुर्ग, छत्तीसगढ़

आग्रह

1. कार्यक्रम की रूपरेखा संलग्न है। अधिक जानकारी हेतू संपर्क करे भाटिया जी 8349714686, संकेत भाई 9406049596।

2. मंच चर्चा या गोष्ठी में आप अपने विचार व्यक्त करने सादर आमंत्रित हैं। इस हेतु अपने विचार www.jvidya.com में उल्लेखित प्रारूप के अनुसार आयोजन समिति को sanket_thakur@hotmail.com में अवश्य मेल / प्रेषित कर देवें।

3. नवम्बर में अछोटी में रात में हल्की ठंडक हो जाती है, तद्नुसार कपड़े अवश्य ले आयें। आवास व्यवस्था हेतू मंजीत भाई 9301359227.

4. अपने आने–जाने की पूर्व सूचना हमें अवश्य कर देवें। एक दिन पूर्व सूचना के आधार पर रेल्वे स्टेशन रायपुर या एयरपोर्ट रायपुर से सम्मेलन स्थल तक आपको पहुँचाने की व्यवस्था रहेगी। वाहन सुविधा हेतू संपर्क जे पी मिश्रा जी 0999333302 एवं अनिल भाई राठौर जी 9300484677 से संपर्क करें।

5. रजिस्ट्रेशन / पंजीयन हेतू संपर्क करें सुयश ठाकुर जी 09302693429

कार्यक्रम

प्रथम दिवस – शुक्रवार, 16 नवंबर 2012, स्थान – अछोटी

09:30 से 10:15	पंजीयन
10:15 से 10:30	स्वागत
10:30 से 12:00	सम्मेलन की रूपरेखा, अभियान की भूमिका
12:00 से 01:30	श्रद्धेय श्री ए. नागराज जी का उद्बोधन : अध्ययन वस्तु, अध्ययन प्रक्रिया एवं चर्चा
01:30 से 03:00	भोजन एवं विश्राम
03:00 से 05:00	मंच चर्चा : समाधान के लिए अध्ययन वस्तु, अध्ययन प्रक्रिया
05:00 से 06:00	जलपान
06:00 से 08:00	गोष्ठियाँ

द्वितीय दिवस – शनिवार, 17 नवंबर 2012

30से01:30	समाधान आयाम में प्रयास प्रस्तुतियाँ: मानवीय शिक्षा संस्कार संस्थान, कानपुर, IASE राजस्थान; मानव चेतना विकास केन्द्र, इंदौर, जीवन विद्या प्रतिष्ठान, बिजनौर; मानव मंदिर, कानपुर, PTU जालंधर, IIIT हैदराबाद, पुणे, महाराष्ट्र; जीवन विद्या अध्ययन केन्द्र, मुरादाबाद, सिद्ध मसूरी, दिल्ली टीम, गुजरात, बंगलोर, कर्नाटक एवं अन्य
01:30 से 03:00	भोजन एवं विश्राम
03:00 से 05:00	मंच चर्चा : उत्पादन, स्वावलंबन, समृद्धि
05:00 से 06:00	जलपान
06:00 से 08:00	गोष्ठियाँ

तृतीय दिवस : रविवार, 18 नवंबर 2012, स्थान–अछोटी, दोपहर भोजन पश्चात् बेमेतरा

09:30 से 01:30	मानवीय शिक्षा शोध संस्थान की प्रस्तुति : अभ्युदय की यात्रा, परिचय शिविर, वांङ्मय, समृद्धि, एक वर्षीय अध्ययन शिविर, छ.ग. राज्य शिक्षा, शिक्षा–संस्कार प्रस्तुति – अभिभावक विद्यालय।
01:30 से 02:30	भोजन एवं बेमेतरा के लिए प्रस्थान
02:30 से 05:00	बेमेतरा में "समाधान महाविद्यालय" उद्घाटन
06:30	भोजन एवं गोष्ठियाँ
08:00	अछोटी के लिए प्रस्थान

चतुर्थ दिवस : सोमवार, 19 नवंबर 2012, स्थान–अछोटी

09:30 से 10:30	मंच चर्चा – अध्ययनशील व्यक्ति : स्वयं की गति, समाज में
10:30 से 11:30	सम्मेलन में आये प्रतिनिधियों के सुझाव (Feedback)
11:30 से 12:15	सम्मेलन सारांश
12:15 से 01:30	अभियान एवं आगे की दिशा
01:30	भोजन एवं विश्राम

www.madhyasth-darshan.info - Information Portal

मानवीय शिक्षा शोध संस्थान (अभ्युदय) अछोटी, दुर्ग

जीवन में समाधान के अर्थ में नित्य उदयशीलता ही अभ्युदय है। जहां नित्य उत्सव हो इस आशा से मानवीय शिक्षा शोध संस्थान (अभ्युदय संस्थान) की स्थापना श्रद्धेय ए. नागराज जी के दिशा निर्देशन, परम आदरणीय श्री राजन शर्माजी एवं स्व. धीरेन शाह के स्नेहपूर्ण सानिध्य में 11 जनवरी 2001 को हुई। रायपुर, दुर्ग, भिलाई, बस्तर के कुछ मित्र परिवारों ने मध्यस्थ दर्शन परिचय के लिये संचालित जीवन विद्या शिविरों से प्रेरित होकर संस्थान को मूर्त रूप दिया। विगत 12 सालों से संस्थान के द्वारा लोक शिक्षा, जीवन विद्या योजना और परिवार मूलक स्वराज्य व्यवस्था आधारित विभिन्न कार्यक्रम संचालित किये जा रहे है। जिनमे जीवन विद्या परिचय शिविर, एक वर्षीय अध्यय शिविर, स्कूल व तकनीकी शिक्षा में चेतना विकास मूल्य शिक्षा, परिवारमूलक स्वराज्य व्यवस्था, उत्पादन कार्य, विनिमय, न्याय सुरक्षा व्यवस्था आदि का परिचय एवं क्रियान्वयन प्रमुख है ।

विगत वर्षों में संस्थान की ओर से छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, उत्तरांचल, मध्यप्रदेश, दिल्ली, महाराष्ट्र, उड़ीसा, गुजरात आदि राज्यों के विभिन्न शहरों एव ग्रामों अब तक लगभग 350 जीवन विद्या परिचय शिविरों का आयोजन किया जा चुका है। इन शिविरों में लगभग 25,000 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। स्कूल शिक्षा विभाग छत्तीसगढ़ के सहयोग से एडूसेट ;वीडियो कांफ्रेसिंगद्ध के माध्यम से लगभग 14,000 शिक्षकों का जीवन विद्या शिविर वर्श 2007 से 2009 के दौरान कराया जा चुका है । संस्थाओं में चेतना विकास मूल्य शिक्षा के अध्यापन हेतु शिक्षक तैयार करने के लिये व सामाजिक पृष्ठभूमि से आये लोगों के लिये एक वर्षीय चेतना विकास मूल्य शिक्षा पाठ्यक्रम श्रद्धेय नागराज जी के मार्गदर्शन में संस्थान में संचालित है ।

संस्थान एवं संस्थान से जुड़े परिवारों के द्वारा ग्राम अछोटी, हिंगनाडीह, लहंगा, अमोरा, बेमेतरा में लगभग 130 एकड़ में विविध उत्पादन गतिविधियों का संचालन किया जाता है । जिसमे गौपालन, गौ आधारित प्राकृतिक खेती और कुटीर उद्योग प्रमुख है । वर्तमान में 4 गौशालायें है जिनमें लगभग 300 देशी गोवंश का संरक्षण–संवर्धन किया जाता है । उत्पादन कार्य से प्राप्त दूध, घी, श्रीखंड, सब्जी, खाद्यान्न आदि का विक्रय रायपुर स्थित विनिमय केन्द्रों समृद्धि एवं स्वीकृति से किया जाता है। संस्थान में 125 व्यक्तियों के एक साथ रहने की व्यवस्था है एवं 2 सभागारों के माध्यम से 2 शिविर साथ साथ संचालन किया जा सकता है ।

अभिभावक विद्यालय

चेतना विकास मूल्य शिक्षा केन्द्र, रायपुर

श्रद्धेय ए. नागराज जी की द्वारा प्रवर्तित मध्यस्थ दर्शन सहअस्तित्ववाद से मानवीय मूल्य शिक्षा एवं सार्वभौम व्यवस्था का स्वरूप स्पष्ट हुआ । मानवीय शिक्षा शोध संस्थान अभ्युदय में देश के विविध क्षेत्रों से एकत्रित प्रतिभा संपन्न समाज के जिज्ञासु वर्ग द्वारा मध्यस्थ दर्शन पर निरंतर शोध कार्य चल रहा है जो एक वर्षीय अध्ययन शिविर रूप में है ।

सन 2010–11 के अध्ययन शिविरों के प्रतिभागी अभिभावकों के संयुक्त निर्णय से अभिभावक विद्यालय की स्थापना रायपुर के व्हीआईपी रोड से लगे स्थल पर हुई । विद्यालय के संचालन की जिम्मेदारी विगत 10 वर्षों से मानवीय शिक्षा शोध में लगे परिवारों ने ली । अभिभावक विद्यालय का संचालन व्यावसायिक विधि से न होकर सभी की साम्यरसता व एकसूत्रता से हो रहा है । विद्यालय में बच्चों को दी जाने वाली सुविधायें व साधन विद्यार्थियों के अभिभावक स्वावलंबन विधि से पूरा कर रहे है। शिक्षा देने का कार्य बिना किसी अध्ययन शुल्क के उपकार विधि से हो रहा है । विद्यालय को छत्तीसगढ़ शिक्षा बोर्ड से मान्यता प्राप्त है ।

सभी अध्यापक एवं अभिभावक समाज व्यवस्था में अपनी भागीदारी को सुनिश्चित करते हुए अपने बच्चों के साथ–साथ समाज के अन्य बच्चों के सर्वतोमुखी विकास के लिये पूरी निष्ठा से समर्पित है। कक्षा 1 से 12 एवं स्नातकोत्तर शिक्षा तक के पाठ्यक्रम का मूलरूप मध्यस्थ दर्शन के अनुसार तैयार किया जा चुका है । इस पाठ्यक्रम का व्यवहारिक रूप क्रमशः कक्षा 1 से 5 तक तैयार कर विद्यार्थियों की आयु के अनुसार पढ़ाया जा रहा है।

रायपुर शहर के व्हीआईपी रोड स्थित अभिभावक विद्यालय चेतना विकास मूल्य शिक्षा के अभिनव केन्द्र के रूप अपनी विशिष्ट पहचान बना चुका है ।

www.madhyasth-darshan.info - Information Portal

समाधान महाविद्यालय – चेतना विकास मूल्य शिक्षा आधारित अध्ययन अध्यापन केन्द्र, बेमेतरा

मानवीय शिक्षा शोध संस्थान (अभ्युदय) अछोटी से जुड़े कुछ परिवारों ने चेतना विकास मुल्य शिक्षा को वर्तमान पाठ्यक्रम के साथ बी. एड., स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर तक अध्ययन कराने का निश्चय किया । इस हेतु सर्वतोमुखी समाधान शिक्षा संस्कार समिति द्वारा संचालित समाधान महाविद्यालय की नींव मध्यस्थ दर्शन के प्रणेता श्रद्धेय श्री ए. नागराज जी द्वारा 10 नवंबर 2010 को रखी गई । इसका लक्ष्य है – वर्तमान पाठ्यक्रम के साथ मध्यस्थ दर्शन "सह–अस्तित्ववाद" आधारित चेतना विकास मूल्य शिक्षा पद्धति से अध्ययन–अध्यापन कराना ताकि इसके माध्यम से प्रत्येक विद्यार्थी व अध्यापक सर्व मानव लक्ष्य (समाधान, समृद्धि, अ[illegible] सहअस्तित्व) के साथ अखण्ड समाज सार्वभौम व्यवस्था व मानवीयता पूर्ण आचरण को अपने जीवन में प्रमाणित करने की योग्यता विकसित कर सके।

अस्थिरता, अनिश्चयता मूलक भौतिक रासायनिक वस्तु केन्द्रित विचार अर्थात भौतिकवादी विज्ञान विधि से मानव का अध्ययन नहीं हो पाया । रहस्यमूलक आदर्शवादी चिंतन विधि से भी मानव का अध्ययन नहीं पाया । दोनों प्रकार के वादों में मानव को जीव कहा गया है। विकल्प रूप में अस्तित्वमूलक मानव केन्द्रित चिंतन विधि से मध्यस्थ दर्शन, सहअस्तित्ववाद में मानव को ज्ञानवास्था में होने का पहचान किया एवं कराया। मध्यस्थ दर्शन के अनुसार मानव ही ज्ञाता, जानने वाला सहअस्तित्व रूपी अस्तित्व जानने योग्य वस्तु है यही दर्शन ज्ञान है इसी के साथ जीवन ज्ञान मानवीयतापूर्ण आचरण ज्ञान सहित प्रमाणित होने की विधि अध्ययन गम्य हो चुकी है । अस्तित्वमूलक मानव केन्द्रित चिंतन ज्ञान, मध्यस्थ दर्शन, सह–अस्तित्ववाद–शास्त्र रूप में अध्ययन के रूप में प्रस्तुत किया गया है। सर्व मानव समझदार न्याय पूर्वक जी सकता है, हर समझदार परिवार समाधान– समृद्धि पूर्वक जी सकता है। यह चेतना विकास मूल्य शिक्षा विधि से सर्व सुलभ होने की व्यवस्था है।

ए. नागराज, प्रणेता मध्यस्थ दर्शन

www.madhyasth-darshan.info - Information Portal